प्रस्तावना:- हिंदी दिवस हिंदी भाषा का महत्त्वपूर्ण दिन है जिसे पूरे भारतवर्ष में बड़े हर्षोल्लास के साथ अलग-अलग प्रकार के समारोहों के आयोजन से संपन्न किया जाता है। हिंदी दिवस के दिन हिंदी भाषण हिंदी कविता और हिंदी साहित्य की बात की जाती है साथ ही अलग-अलग साहित्यकारों को सरकार की तरफ से सम्मानित भी किया जाता है। भारत में हिंदी दिवस का यह पावन त्यौहार कई सालों से 14 सितंबर को मनाया जा रहा है।

हिंदी दिवस एक महत्वपूर्ण सरकारी त्यौहार है जिसका मुख्य उद्देश्य पूरे भारतवर्ष में हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार और हिंदी साहित्य के प्रति जागरूकता फैलाना है। मुख्य रूप से यह त्यौहार अलग-अलग संस्थानों के द्वारा मनाया जाता है इस दिन बड़े पैमाने पर समारोह का आयोजन किया जाता है और हिंदी भाषा के प्रति जागरूकता फैलाई जाती है। हिंदी दिवस के दिन हिंदी भाषा के प्रचलित साहित्यकार व्यवहार राजेंद्र सिंह का जन्मदिन है जिस वजह से यह दिवस और भी महत्वपूर्ण हो जाता है।

हिंदी दिवस का यह त्यौहार 14 सितंबर 1953 से मनाया जा रहा है मगर हम आपको बता दें कि हिंदी दिवस की शुरुआत आजादी के 2 साल बाद 1949 में हुई थी। हिंदी दिवस मनाने के विचार को सर्वप्रथम सितंबर 1949 में रखा गया था जब एक केंद्रीय बैठक में हिंदी भाषा को भारत की राजभाषा का दर्जा दिया गया था। हिंदी भाषा को राजभाषा का दर्जा देने के पीछे मकसद यह था कि हिंदी भारत में सबसे अधिक इस्तेमाल की जाती है। मगर 1953 तक यह एहसास हुआ कि हिंदी भारत में सबसे अधिक बोली जाती है मगर भारत में ही कुछ ऐसी जगह है जहां हिंदी को सही तरीके से नहीं समझा जाता है और भारत में हिंदी साहित्य को वह दर्जा हासिल नहीं है जो होना चाहिए जिस वजह से 14 सितंबर 1953 से हिंदी दिवस मनाने की मुहिम शुरू की गई जिसका मकसद भारत में हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार और हिंदी भाषा के महत्व को तीव्र करना था।

वर्तमान समय में हिंदी भाषा के अवसर पर अलग-अलग संस्थानों और संगठनों के द्वारा विभिन्न प्रकार के समारोह का आयोजन किया जाता है जिसमें हिंदी साहित्य के अलग-अलग कृति को प्रस्तुत किया जाता है। हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर सरकार के तरफ से हिंदी साहित्यकारों का सम्मान भी किया जाता है। वर्तमान समय में इंटरनेट युग चल रहा है जिस वजह से हिंदी दिवस और भी बड़े पैमाने पर सरलता से मनाया जा सकता है इस वजह से हम उम्मीद करते हैं कि आने वाले समय में हिंदी दिवस और भी तीव्र तरीके से मनाया जाएगा और हिंदी भाषा की जागरूकता को पूरे भारत में फैलाया जाएगा।